Nile Basin (नील बेसिन) :-

परिचय :- नील बेसिन से अर्थ नील नदी की घाटी से है। नील नदी के बेसिन का वर्णन करते हुए 2500 वर्ष पूर्व महान यूनानी विद्वान हेरोडोटस ने कहा - मिश्र नील नदी का वरदान है। वास्तव में नील नदी मरुस्थलीय सहारा प्रदेश महान मरुद्यान अथवा नखलीस्तान है।

धरातल :- नील नदी की लम्बाई 5793 km एवं नीली नील नदी सहित 6695 km है। अतः नील नदी विश्व की सबसे लम्बी नदी है। इसका प्रवाह तंत्र 2400,000 वर्ग km में फैला है। नील बेसिन धरातल को निम्न भागों में बाँटते हैं :-

1. ऊपरी घाटी (दक्षिणी सूडान)
2. अल-सड (दलदलीय प्रदेश)
3. नीली - नील की घाटी
4. श्वेत नील की घाटी
5. नील की घाटी
6. ऊपरी संयुक्त
7. नील कीप डेल्टा
8. मिश्र में नील की प्रमुख घाटी

इसमें आर्थिक दृष्टि से मिश्र की नील घाटी एवं डेल्टा प्रदेश सबसे महत्वपूर्ण मिश्र में नील नदी की घाटी 10-35 km चौड़ी है। यह घाटी उपजाऊ और सघन आबादी और मिश्र की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। नील का डेल्टा त्रिकोणा आकार का है। यह काहिरा से सिकंदरिया एवं दमायत के मध्य 240 km चौड़ा है। यह डेल्टा चापाकार स्वरूप में समुद्र की ओर इसकी दो प्रमुख शाखाएं

है। सम्पूर्ण डेल्टाई भाग का आर्थिक विकास पिछले 100 वर्षों मे तेजी से हुआ है।
भौतिक रचना :- नील नदी अपने ऊपरी प्रदेश मे महान दर्री घाटी के निकट एवं ज्वाला मुखी पर्वतो के पास से 1000-200 तक 2000-700 मीटर की ऊँचाई के बीच गहरी घाटी मे बहती है। इसका ढाल दक्षिण से उत्तर पूर्व सूडान की सीमा के निकट यह 750 मीटर से 1200 मीटर के बीच बहती है। यही पर नील मे सोबट और इकवारा नदिया मिलती है। सूडान मे ढाल एकदम धीमा होने से वहाँ दलदल पाए जाते है। इसे ही अल-सड कहते है। लाखो वर्ष पूर्व यहाँ बहुत बड़ी झील थी खाडतून से मुर्दीया मरुस्थल तक घाटी समतल है। यहाँ से नदि संकरी घाटीयो से होकर बहती है। यहाँ पर आसवान बाँध बना है। नदि के पश्चिमी भाग मे अलकातरा नामक गहरी झीले बनाई गई है। जहाँ से सिचाई की जाती है। आसवान से आगे नदी की निचली घाटी मे कई छोटे बड़े झरने है।
जलवायु :- नदी घाटी की जलवायु अक्षांशो के अनुसार है। 5° उत्तरी अक्षांश तक विषुवतरेखीय जलवायु मिलती है। सूडान मे सूडान तुल्य या ग्रीष्म कालीन वर्षा वाली जलवायु पाई जाती है। यहाँ के प्रदेश दलदलीय है। उत्तरी सूडान मे सबसे कम वर्षा होती है। उत्तरी सूडान के तापमान ग्रीष्म मे 35°c और शीतकाल मे 15°c रहता है। मिस्र मे सर्दीयो के समय पाला भी गिरता है। यहाँ के डेल्टा प्रदेश मे संशोधित भूमध्यसागरीय जलवायु पाई जाती

है। मिस्र मे वर्षा 5 cm वार्षिक और डेल्टा प्रदेश मे से 15 cm आसवान बाँध पर वर्षा मात्र 2 cm तक होता है।

कृषि एवं सिंचाई :- सम्पूर्ण नील बेसिन मे सिर्फ मध्यवर्ती घाटी सूडान एवं निचली घाटी मिस्र मे कृषि व फार्मिंग की क्रिया सुविकसित है। सूडान मे दलदल के वजह से सीमित कृषि होती है। यहाँ पर सीमित क्षेत्रो मे कपास की खेती महत्वपूर्ण रही है। अब दलदलीय भागों मे चावल और गन्ना महत्वपूर्ण फसल है। यहाँ पर सेनार एवं अन्य बाँधो के द्वारा सिंचित क्षेत्र बढ़ाया जाता है। अन्य फसलों मे गेहूँ मोटे अनाज मूंगफली एवं रसदार फल सूडान मे उपजाए जाते है। मिस्र मे सम्पूर्ण कृषि व्यवसाय सिंचाई पर निर्भर करती है। कृषि मे सिंचाई का महत्व आसवान बाँध से है। यह बाँध सर्वप्रथम 7 m एवं बाद मे 53 मीटर ऊँचा है। 1971 मे सूडान के साथ समझौता होने के बाद इसकी ऊँचाई 110 मीटर तक कर दी गई। अब इससे आठ लाख हेक्टेयर भूमि मे सिंचाई की जाती है।

खनीज :- खनीज सम्पदा की दृष्टि से नील बेसिन उतनी सम्पन्न नही है। ऊपरी घाटी मे कही कही सिमित मात्रा मे कोबाल्ट, जस्ता, टीन, यूरेनियम इत्यादि पाए जाते है। लाल सागर के तट की ओर पाइराइट जिपसम एवं चूने के पत्थर मिलते है। मिस्र की प्रमुख खनिज प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम है।

उद्योग :- उद्योग धंधे नील के बेसिन मे सिमित खनीज पदार्थ मिलने से मिस्र

और सूडान में कृषि आधारित सूती एवं कृत्रिम रेशा के वस्त्र एवं मोटा कपड़ा, एवं कागज उद्योग शक्कर एवं डिब्बा बन्द खाद्यपदार्थ इत्यादि इसके अतिरिक्त चमड़ा प्लाई वुड, एल्कोहल, मोटर वाहन रासायन उद्योग सिमेंट इत्यादि की इकाइयां भी लगाई गई है।

परिवहन :- नील नदि होने के कारण यहाँ जल परिवहन का साधन है। यहाँ के आस पास के सड़क मार्ग भी विकसित है। रेलमार्ग की लम्बाई 5024 है। नील जे खेबनदूर के दोनो ओर सड़क एवं रेलमार्ग बने हुए है। मिस्र मे मुख्य हवाई अड्डे काहिरा, सिकंदरिया सूडान मे खारतूम एवं वादीमदनी मुख्य हवाई अड्डे है।

जनसंख्या एवं नगर :- नील बेसिन मे मुख्यतः सूडान और मिस्र आते है। यद्यपि पूर्वि नील या नीली नील का उद्गम इथोपिया मे होता है। पर इस नदी का आर्थिक प्रभाव क्षेत्र सूडान मे आता है। सूडान की जनसंख्या लगभग 335 लाख है। यहाँ का घनत्व 13 व्यक्ति वर्ग km होते है। सूडान मे अधिकांश जनसंख्या इसके पश्चिमवर्ती क्षेत्रो मे मिलते है। यहाँ के मुख्य नगर वृहत खारतूम की जनसंख्या 22 लाख अन्य नगर 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले है। मिस्र की कुल आबादी 660 लाख है। यहाँ जनसंख्या का सबसे अधिक घनत्व नील की घाटी की संकरी पट्टी मे दूर-दूर तक फैला है। यहाँ का घनत्व 1500 व्यक्ति वर्ग km है।

इस घाटी में मिस्र के अधिकांश नगर बसे हैं। मिस्र में 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 37 नगर हैं। 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले महानगर काहिरा, सिकन्दरिया, जिजा इत्यादि।